



典故丛书

全宋词典故辞典
上

QUANSONGCI DIANGU CIDIAN

范之麟 主编

刘扬忠 徐燕 副主编

湖北辞书出版社



目 录

一 画

- | | | | |
|------------------|-----|-------------------|------|
| 一十二都门 | (1) | 一分无赖 | (6) |
| 一丁不识 | (1) | 一月一千秋 | (6) |
| 一人口插几张匙 | (1) | 一方无明月 | (6) |
| 一力胜九牛 | (1) | 一方明月中庭 | (7) |
| 一山红叶供不尽相思句 | (2) | 一斗一石皆醉 | (7) |
| 一千龄 | (2) | 一斗百篇 | (7) |
| 一门三凤 | (2) | 一斗消醒 | (7) |
| 一门三秀才 | (3) | 一心一意 | (8) |
| 一门双秀 | (3) | 一尺春风髻 | (8) |
| 一门椿桂 | (3) | 一双白璧 | (8) |
| 一子千年见 | (3) | 一双两好 | (8) |
| 一区扬雄宅 | (4) | 一以我为牛,一以我为马 | (8) |
| 一见桃花参学了 | (4) | 一水是红墙 | (9) |
| 一日三秋 | (4) | 一水田将绿绕 | (9) |
| 一日三眠 | (5) | 一水盈盈 | (9) |
| 一日须倾三百 | (5) | 一书直千金 | (9) |
| 一气排阴 | (5) | 一节 | (9) |
| 一牛鸣 | (5) | 一叶弄孤光 | (9) |
| 一片石 | (5) | 一叶知秋 | (10) |
| 一片白云关念 | (5) | 一叶怨题 | (10) |
| 一片西飞一片东 | (5) | 一叶浮家 | (11) |
| 一片花飞减却春 | (6) | 一矢聊城飞去 | (11) |
| 一片闲云舒卷 | (6) | 一生江海客 | (11) |
| | | 一生花里活 | (11) |
| | | 一生消几屐 | (12) |
| | | 一丘 | (12) |
| | | 一丘一壑 | (12) |

二十画

壤歌	(2166)
攘臂	(2166)
髮云	(2166)
髮丝茶烟	(2166)
髮丝堪织	(2167)
髮成潘	(2167)
髮点吴霜	(2167)
嚼穿眼血	(2167)
嬰铄翁	(2167)
箭甚声名	(2167)
箭祥云	(2167)
蟻羽	(2168)
媼娥	(2168)

二十一画

機枪	(2168)
霸桥耸诗肩	(2168)
露门	(2169)
露玉凤金	(2169)
露布	(2169)
露桃云杏	(2169)
露萤清夜照书卷	(2169)
露绶	(2169)
露掌	(2169)
露脚斜飞	(2169)
點相对浑如梦里	(2170)
點點魂消	(2170)
蟻堂	(2170)
蟻鲸失水	(2170)
夔乃怜蚊	(2170)
夔龙	(2170)
夔契	(2171)

二十二画以上

蕙甲	(2171)
蕙白	(2171)
蕙盐	(2171)
囊诗贮锦	(2172)
囊钱	(2172)
囊萤	(2172)
囊锥	(2172)
蕙书虫	(2172)
鸞裘解尽	(2172)
既飀花底客	(2173)
穰苴兵法	(2173)
雁仙	(2173)
灞桥风雪	(2173)
灞桥怨别	(2173)
灞桥狂吟客	(2173)
灞陵呵夜	(2174)
灞陵桥畔	(2174)
灞陵原上柳	(2174)
鸞马道姬	(2174)
搜土抔沙	(2174)
髮剪	(2174)
麟史	(2175)
麟台	(2175)
麟角	(2175)
麟角绂	(2175)
麟带压愁香	(2175)
麟阁丹青	(2175)
麟洲	(2176)
麟笔	(2176)
麟符	(2176)
麟檀	(2176)
麟脯	(2176)
癯仙	(2177)
麤牙	(2177)
髮下焦	(2177)

一十二都门

【出典】《三辅黄图》卷一《都城十二门》：“长安城东出南头第一门曰霸城门……长安城东出第二门曰清明门……长安城东出北头第一门曰宣平门。……长安城南出东头第一门曰覆盎门……长安城南出第二门曰安门……长安城南出第三门曰西安门。……长安城西出南头第一门曰章城门……长安城西出第二门曰直城门……长安城西出北头第一门曰雍门。……长安城北出东头第一门曰洛城门……长安城北出第二门曰厨城门……长安城北出西头第一门曰横门。”《汉书》卷九九下《王莽传下》：“兵从宣平城门入，民间所谓都门也。”

【释义】都门即都城之门。汉都长安城有十二门，《三辅黄图》记此有“都城十二门”之目。后世因用作咏都城的典故。

【例句】一十二都门，梦想能频。无言桃李几经春。（贺铸《浪淘沙》[一十二都门]525）这里以一十二都门代指宋都开封。

一丁不识

【出典】《新唐书》卷一二七《张嘉贞传》附《张弘靖传》：“其诟责士皆曰‘反虏’，尝曰：‘天下无事，而辈挽两石弓，不如识一丁字。’军中以气自任，衔之。”宋·吴曾《能改斋漫录》卷五《辨误》：“《唐书·张宏靖传》：‘背挽两石弓，不如识一丁字。’旧史亦同。窦苹《唐书音训》云：‘丁恐当作个。’予尝以窦说虽当，而无所据。偶读孔毅父《续世说》，引宏靖曰：‘汝曹能挽两石弓，不若识一箇字。’乃作此箇字。因知箇误为丁，无可

疑者。”

【释义】唐人张弘靖有“能挽两石弓，不如识一个字”语，史书误为“不如识一丁字。”后因以“一丁不识”表示不识字、没文化，也借以喻指没有文化的人。

【例句】君休说是谈非。是则是干支带得来。也要他有个、读书种子；一丁不识，富贵何为。（任翔龙《沁园春·赠谈命许丈》3588）这里以“一丁不识”同“读书种子”对举，说一字不识，没有文化，就算富贵，又有什么用处。

一人口插几张匙

【出典】宋·范成大《范石湖集》卷二六《丙午新正书怀十首》其四：“口不两匙休足谷，身能几屐莫言钱。扫除一室空诸有，庞老家人总解禅。”自注：“吴谚云：‘一口不能著两匙。’”

【释义】吴地谚语有“一口不能著两匙”语，谓一张嘴中不能同时放入两个汤匙，比喻人的需求有限，不可贪多。宋词中用为典实。

【例句】①千年田换八百主，一人口插几张匙？休休休，更说甚，是和是非。（辛弃疾《最高楼·吾拟乞归，犬子以田产未置止我，赋此骂之》1894）这里化用吴地谚语，意思是说人的享用有限，无需过分追求。用以驳其子“以田产未置止我”的要求。②一人口插几张匙？何用波波劫劫没休时。（刘学箕《虞美人》[寒来暑往何时了]2439）这里用“一人口插几张匙”表示人生岁月无多，享用有限，不必追求。

一力胜九牛

【出典】《列子·仲尼》：“公仪伯以力